

04.7.22

पत्रावकी पेशा। स्वार्थ की ओर से कोई
उपस्थित नहीं। स्वार्थ एवं वकील स्वार्थ में
पुले न्यायालय में जोर-जोर से आवाज
लगाने पर भी उपस्थित नहीं। अतः यह
स्वार्थना पर अहम हाजिरी व अहम पैरवी
में इसी स्तर पर निरन्तर किया जाता है।
पत्रावकी हाजिरी दृष्टा हो।

(अमिताभ)
उपखण्ड अधिकारी
घडसाना